an>

Title: Need to include bot caste in the list of Scheduled Tribes.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, हिमालय की तलहटी में "बोट " जाति के लोग, नेपाल, भूटान सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड सहित उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी, गोण्डा, बहराईच आदि के लोग निवास करते हैं। जिनको विभिन्न अध्ययन दलों द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए कहा गया है। बोट जाति इन सभी मानदण्डों के आधार पर अनुसूचित जनजाति में शामिल होने योग्य है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान ने भी बोट जाति को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की संस्तुति की है। मैंने इस प्रकरण को लोक सभा में व उत्तर प्रदेश की विधानसभा में भी उठाया था, परन्तु उक्त बोट जाति के लोगों को अभी भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं मिला है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करता हूँ कि बोट जाति को समाज की मुख्यधारा में लाने तथा शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक समता प्रदान करने के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा तत्काल दिया जाये। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Ajay Misra Teni.